SPECIAL MENTIONS

Death of Harayana Chief Minister's Grand-daughter-in-law due to Gun-shot Wounds

श्रीमती सुधा विजय जोशी (महाराष्ट्र) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, 11 नवम्बर को हरियाणा के सिरसा जिले में तेजाखेड़ा गांव में सुप्रिया नाम की विवाहित युवती की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई । देववशात् यह बदनसीब सुप्रिया हरियाणा के मुख्य मंत्री देवीलाल की पौत्र वधु और संसद सदस्य ओम प्रकाश चोटाला की पुत्रवधु थी । सुप्रिया अपने फार्म हाउस में बैग में से कपड़े निकालकर ठीक ठाक कर रही थी कि ब्रीफ केस में रखा हुआ पिस्तौल चला और उससे सुप्रिया की वहीं पर मृत्यु हो गई । मैं पूछना चाहती हूं कि कहां वह बैग था और कहां वह ब्रीफ केस था और अपने आप पिस्तौल कैसे चली ? उससे एक नहीं , दो नहीं बल्कि तीन गोलियां सुप्रिया को लगीं । मैं यह भी जानना चाहती हूं कि वे गोलियां कहां कहां पर लगी । वह जो पिस्तौल थी वह किसके नाम से थी, किसके नाम से उसका लाइसेंस था । मैं यह भी पूछना चाहती हूं कि किस वजह से वह पिस्तौल सुप्रिया के पास आया ? पिस्तौल रखने की जरूरत सुप्रिया को क्यों महसूस होने लगी थी और किस कारण से उसने अपने पास रखा था ? इस तरह पिस्तौल रखने की नौबत क्यों उसे पड़ी ?

दूसरी बात यह है कि यह दुर्घटना जब हुई, जब इस तरह की कोई दुर्घटना होती है तो शव का पोस्टमार्टम किया जाता है । जब संदेहजनक अवस्था में उसकी मृत्यु हुई तो शव का पोस्टमार्टम क्यों नहीं किया गया ? मुख्यमंत्री जैसे उच्च पदस्थ जो व्यक्ति हैं उनको यह मालूम होने के बावजूद कि ऐसी हालात में पोस्टमार्टम कराना जरूरी है तो फिर शव का पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया ? तमाम हालात को सामने रखते हुए ऐसा लगता है कि कहीं कुछ है और सारा मामला शक पैदा करने वाला है, संदेहजनक है । एक और बात है, दहेज प्रतिबंधक जो कानून है उसके मुताबिक शादी के सात साल तक अगर किसी महिला की संदेहजनक मृत्यु होती है तो उसकी पूरी-पूरी जांच करवाई जाती है । लेकिन यहां शव का पोस्टमार्टम ही नहीं करवाया गया । मैं जानना चाहती हूं कि इसका क्या कारण है ? इस सन्देहजनक मृत्यु की पूरी सी०बी०आई० जांच हो । यह हमारी मांग है । इस देश की बहुत सारी महिला संस्थाओं ने भी यह मांग की है । उपसभाध्यक्ष महोदय, इस देश का हर सुबुद्ध नागरिक और खास कर के महिलाएं इस घटना से बड़ी चिन्तित हैं । मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहती हूं कि सी०बी० आई० इंक्वायरी कर के तथ्य सब के सामने लाये जाये और इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहती हूं कि मालूम नहीं सी०बी०आई० इंक्वायरी आप करेंगे या नहीं करेंगे हमारी तो मांग है कि करनी ही चाहिये लेकिन हर समय पर हमारे जो साथी वहां बैठे हुए हैं वह कहते हैं कि पार्लियामेंटरी कमेटी स्थापित करें । मैं यह कहना चाहती हूं कि अगर पार्लियामेंटरी कमेटी स्थापित हो जाये तो तीन सदस्य उनके और दो सदस्य हमारे हों इस प्रकार की पार्लियामेंटरी कमेटी बनाये तो भी हम इसके लिये तैयार हैं । धन्यवाद ।

श्रीमती सूर्यकांता जयवंतराव पाटील (महाराष्ट्र) : मैं अपने को इस स्पेशल मैंशन से एसोसियेट करती हूं ।

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) मैं भी इसके साथ एसोसियेट करती हूं ।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर (हरियाणा): उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस मृत्यु में जब हमारे एक साथी मैम्बर के घर में एक दर्दनाक जवान मौत हो गई, दुर्घटना हो गई । दर्दनाक इस वास्ते कि मैं हाउस को यह कहना चाहता हूं कि उस फैमिली में मेरी शादी हुई है, मेरा उस फैमिली के साथ पर्सनल अटेचमेंट है, उस फैमली के साथ मुझे फख्र है कि मैं उनकी रिश्तेदारी में हूं । दिल्ली के अन्दर सैकड़ों इस किस्म के वाकयात होते हैं

[श्री महेन्द्र सिंह लाठर]

ऐसा होती हैं किसी ने कभी यह मामला नहीं उठाया। उपसभाध्यक्ष महोदय, जब मिसेज इन्दिरा गांधी की मौत हुई उस वक्त भी चर्चाएं चली थीं कि यह किसी र के ही आदमी का काम है (व्यवधान) पता नहीं किस ने कराया, हमने यह सवाल नहीं उठाया था उस वक्त (व्यवधान) आप सुनने की हिम्मत करो। (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): All of you please sit down now. (*Interruptions*)

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): Sir, I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): How can there be a point of order on this?

SHRI A. G. KULKARNI: Please listen to me.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): I will listen to you. Please explain to me how the point of order arises. Then you say the point of order.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : अब यह सुनेंगे नहीं ... (व्यवधान)

SHRI A. G. KULKARNI: Please listen to me. Sir, we are going too far away from the Special Mention... (*Interruptions*). I only draw your attention... (*Interruptions*).

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश) : क्या एक्युज करना चाहते हैं मुख्य मंत्री को, इतना दर्द हो गया आपको... (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): I am hearing him. If anything is out of context, I will not allow. *Interruptions*). I have not said that you do not speak.

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, my point of order is... (*Interruptions*).

SHRI SHARAD YADAV (Uttar Pradesh): There is no point of order. He has not allowed you.

SHRI A. G. KULKARNI: He has allowed me. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Let me hear him.

SHRI A. G. KULKARNI: My point of order is, with all humility I will request... (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): You please allow me to hear him. I will give the decision. I am sitting on the Chair.

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY (Andhra Pradesh): Sir, you have to follow certain rules. You have asked him to explain. Now he says a point of order...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Let me hear him.

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: The point is whether you have asked him to speak on the point of order or you have asked him for the reasons for raising the point of order. There is a difference between the two.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Let me hear him firsa. Then I can judge. (*Interruptions*).

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, I am on a point of order to the limited extent that is this very House many times special mentions were permitted...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Now that question does not arise.

SHRI A. G. KULKARNI: ... for dowry deaths, for this and that. But, now, Sir, I would only request you leave aside my personal opinion. I do

not want to go into anybody's personal grief or anything. I am not for that. But my friend who has just now been permitted, is mentioning about the personality of Shrimati Indira Gandhi. Sir, ... (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Let me hear first. Please sit down. Will you allow me to hear or not?

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, I am not discriminating between a man and a man or a woman and a woman. Indira Gandhi was a woman but she was a personality. She has obliged this country... (*Interruptions*).

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradesh): Indira Gandhi had only one vote and everybody else in this country has only one vote. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Please sit down. Mr. Narayanasamy, please sit down. (*Interruptions*).

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, I am not obliged to anybody for any personal favour but I desire as a Member of this august House that personal matters should not be discussed. Sir, the naming of a person who in this country has a towering personality, this should not be permitted. (*Interruptions*).

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : उपसभाध्यक्ष महोदय, बहुत सीनियर मेम्बर की बात मैंने सुनी **(व्यवधान)**। मुझे यह कहना पड़ेगा कि मिसेज गांधी की परसनैलिटी बहुत बड़ी थी उनका नाम नहीं लिया जा सकता लेकिन चौधरी देवी लाल की परसनैलिटी कोई छोटी नहीं है कि चौधरी देवी लाल का नाम ले रहे हैं **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): There is no need no, no, please sit down.

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : देश के सारे अखबारों में छपा था।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : उपसभाध्यक्ष महोदय, सच्चाई सुनने के लिए बड़ा भारी जिगरा चाहिए। ये सच्चाई सुनने के लिए तैयार नहीं हैं... **(व्यवधान)**

श्री मोर्जा इर्शादबेग (गुजरात) : यह संदेहजनक है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Please sit down. just a minute. (*Interruptions*).

SHRI A. G. KULKARNI: This should not have been permitted at all. Why have you permitted it?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): I have allowed him. (*Interruptions*). Mr. Kulkarni, I have allowed him.

SHRI A. G. KULKARNI: Why are you allowing it?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Please sit down. The scope of this special mention is limited and if you speak within that limit, I will allow you. If you do not speak within that limit, I will not allow you.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : उपसभाध्यक्ष जी,... **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): You please leave to my good sense.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : उपसभाध्यक्ष महोदय, यहां पर एक बहुत बड़ा डेंजरस प्रिसीडेंट सेट किया गया है। आपने उनको स्टेट सब्जेक्ट पर बोलने की परमिशन दी। मैंने या हमारे किसी मेम्बर ने उनको इंटरप्ट नहीं किया। अब वह मुझे बोलने नहीं देते हैं। खरी-खरी बातें सुनने से उनको तकलीफ पहुंचती है। ... **(व्यवधान)**

श्रीमती मनोरमा पाण्डेय (बिहार) : हमने सच बताया है, कोई झूठ नहीं बताया है।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : उपसभाध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि एक्सिडेंट्स में सैंकड़ों, हजारों मौतें रोज होती हैं, लेकिन वह कोई बात इस हाऊस के अंदर नहीं उठाई जाती है। यह मामला केवल इसलिए उठाया जा रहा है कि इसमें चौधरी देवीलाल के पौते की बहू शामिल है। देवीलाल की हस्ती कोई इन्दिरा गांधी से कम नहीं है और मुझे यह भी मालूम है कि इस शरारत के पीछे किसका हाथ है। इस शरारत के पीछे हरियाणा के बोफोर्स का हाथ है। . . . (**व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य : यही तो गलत-फहमी हो रही है। . . . (**व्यवधान**)

कृषि मंत्री (श्री भजन लाल) : इन्होंने मेरा नाम मेंशन किया है। मैं एक मिनट के लिए अपनी बात बयान करूंगा। इन्होंने मेरा नाम लिया है. . . (**व्यवधान**) कि इस बात के पीछे भजन लाल का हाथ है. . . (**व्यवधान**) मैं अपनी बात कहना चाहूंगा। . . . (**व्यवधान**)

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: वह मुझे बोलने तो दें। . . . (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : ईश दत्त जी, आप बैठ जाइये, प्लीज़। . . . (**व्यवधान**)

श्री भजन लाल: उपसभाध्यक्ष जी, इन्होंने मेरा नाम मेंशन किया है, रिकार्ड में है आप देख लीजिए. . . (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): That is his opinion. How can I stop him?

श्री भजन लाल: इन्होंने मेरा नाम मेंशन किया है, इसलिए यह अपनी बात कह दें तो उसके बाद मैं एक मिनट में अपनी पोजीशन क्लियर करूंगा।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: मैंने किसी का नाम नहीं लिया है। अगर भजन लाल जी अपने आपको हरियाणा का मि० बोफर्स समझते हैं. . . (**व्यवधान**)

श्री विरेन्द वर्मा: इनको नाम लेने की इजाजत दे रहे हैं क्या? किसी ने तो लिया नहीं, अगर इजाजत है, तो ले लेंगे। तो फिर यह जवाब दे देंगे।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: मैंने किसी का नाम नहीं लिया। मैंने इतनी ही सबमिशन की थी कि इस सारे वाक्या के पीछे मि० बोफर्स का हाथ है। मैंने किसी का नाम नहीं लिया था। . . (**व्यवधान**) मैं बहुत साफ बात कहता हूं कि हमारे यहां दहेज देने और लेने का रिवाज नहीं है और न ही देवीलाल को दहेज की जरूरत हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Within the scope of the discussion, the special mention can be made. But this is out of point.

श्री वीरेन्द्र वर्मा : वह तो यह कह रहे हैं कि हरियाणा में दहेज की प्रेक्टिस नहीं है।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: हम किसी जांच या पड़ताल से घबराते नहीं हैं।

श्री पवन कुमार बांसल (पंजाब) : घबराते नहीं, तो पोस्ट-मार्टम क्यों नहीं करवाया?

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: उपसभाध्यक्ष जी, हमारे यहां दहेज लेने या देने का रिवाज नहीं है और न ही चौधरी देवी लाल की फेमिली को दहेज की जरूरत है। जिस फेमिली के 10–15 लाख के माल्टे बिकते हों, वह दहेज पर निर्भर नहीं करता। . . . (**व्यवधान**) मेरी बात सुनिये। मैं आपको सच्चाई बताता हूं कि वह लड़की. . . (**व्यवधान**)

श्री वीरेन्द्र वर्मा : पहले उनकी बात पर तो कोई नहीं बोला और जब यह बोल रहे हैं, तो सारे शोर मचा रहे हैं।

श्री मोर्जा इर्शादबेग : दहेज की बात कौन कहता है, हमने इन्कवायरी की बात की है। कह दीजिए कि हमको यह पसंद नहीं है और यह इन्कवायरी मंजूर नहीं करते हैं।

ठाकुर जगतपाल सिंह (मध्य प्रदेश) : इन्कवायरी करवाइये। ...(**व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य : फिरोज गांधी की मौत की भी इन्कवायरी हो जाए। ...(**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): I will not allow any interruption from this side also.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर: उपसभाध्यक्ष जी, मैं अर्ज कर रहा था कि यह लड़की जो ब्रह बन कर चौधरी देवी लाल के घर आई थी, सिर्फ डेढ़ साल हुआ, उसकी शादी हुई थी। मैं उसको जाती तौर पर जानता हूं। वह अभी तक अपने हनीमून पर बद्रीनाथ, कश्मीर और जगह-जगह फिर करके वापिस आए थे। इस वाक्या के तीन दिन पहले लड़का और यह लड़की दोनों अपने मायके गये और वहां रह कर आये थे। जिस दिन यह वाक्या हुआ, उस दिन लड़की के फादर वहां पर मौजूद थे। वह उनसे मिलने के लिए वहां पर आए हुए थे। उनकी मदर वहां पर थी। जब यह अंतिम संस्कार उस लड़की का किया गया उस समय उस लड़की के सारे के सारे घर वाले, घर का एक-एक मैम्बर उस दुख में शामिल था। मुझे बड़ा अफसोस है कि यह हाउस कंडोलैंस करने की बजाय इससे एक सियासी फायदा उठाना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**) चौधरी देवी लाल को कमजोर करना चाहते हैं, लेकिन चौधरी देवी लाल इन सारी बातों से कमजोर नहीं होंगे। चौधरी देवी लाल कांग्रेस वालों को रात में भी नजर आते हैं। ...(**व्यवधान**) चौधरी देवी लाल ने अपोजीशन इकट्ठी कर दी। इनका राज-पाठ हिल रहा है ...(**व्यवधान**)

उप सभाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा आपको कि यह एक्सीडेंट आपके साथ भी हो सकता है, यह एक्सीडेंट मेरे साथ भी हो सकता है और यह एक्सीडेंट किसी के साथ भी हो सकता है, लेकिन मैं समझता हूं कि हमें इस लेवल पर नहीं आना चाहिए कि जातिवाद को लेकर इस मामले को यहां पर उठाया जाए।

धन्यवाद।

Need to restore Central Investment Subsidy

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY (Assam): Mr. Vice-Chairman, Sir, my special mention relates to the withdrawal of the Central investment subsidy by the Union Industry Ministry.

The withdrawal of the Central investment subsidy in respect of non-manufacturing activities like printing, bakery, poultry etc. is detrimental to the growth of such activities. This will, directly or indirectly, harm the growth of such activities in the backward regions of the country. This move is more destructive than helpful. This is more so in the case of States like Assam and other north-eastern States. This move will only retard industrial growth.

This 25 per cent Central investment subsidy has been helpful to the growth of industries and many young men have been able to take advantage of this subsidy in setting up small-scale industries and for the purpose of various self-employment schemes. This move is against the declared policy of the Government that there should be balanced growth in all parts of the country.